



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 363] नई दिल्ली, शुक्रवार, जून 21, 1991/ज्येष्ठ 31, 1913
No. 363] NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 21, 1991/JYAISTHA 31, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

कृषि मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 21 जून, 1991

का. आ. 420(अ).—भारत के राजपत्र (असाधारण) के भाग II खंड-3 उपखंड
(ii) में पृष्ठ सं. 1 और 2 पर दिनांक 30-10-90 को प्रकाशित भारत सरकार, कृषि
मंत्रालय की संख्या का. आ. 824 (अ) दिनांक 3 अक्टूबर, 1990 अधिसूचना में:—

पृष्ठ 2 पर अंतिम पैराग्राफ की पंक्ति चार में “तिल फसलों” के स्थान पर “तिलहनी फसलों” पढ़ा जाए।

[संख्या 17-91/86-पी.पी. I]

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agriculture & Cooperation)

CORRIGENDUM

New Delhi, 21st, June 1991

S.O. 420(E) :—In the notification of Government of India, in the Ministry of Agriculture, S.O. number 824(E) dated the 30th October, 1990 published in Part II, Section 3, Sub-Section (ii) of the Gazette of India (Extraordinary) dated the 30th October, at pages 1 and 2,—

At page 2 in line 4 of the last paragraph for “Oilseeds, crops”, read “oilseed crops”.

[No. 17-91/86-PPI]

A.K. MISHRA, Under Secy.

शुद्धि-पत्र

का. आ. 421(अ).—भारत के राजपत्र, भाग-II, खंड-3, उपखंड (ii) में प्रकाशित अधिसूचना सं. का. आ. 824(अ), तारीख 30-10-1990 के हिंदी पाठ में आने वाले “वनस्पति” शब्द के स्थान पर “शाक-सब्जी” शब्द पढ़ें।

[सं. 17-91/86-पी. पी. I]

ए. के. मिश्रा, अवर सचिव